राष्ट्रीय सहारा – 11 मार्च 2010

'महिला सरपंचों की नहीं सुनते अधिकारी'

नई दिल्ली (एसएनबी)। जिला और ब्लाक स्तर के अधिकारी महिला सरपंचों की बातों को न केवल नजरअंदाज करते हैं बल्कि उनकी बातों पर विश्वास तक नहीं करते। यदि कोई महिला सरपंच किसी प्रकार की जानकारी देती है तो उस पर उंगली उठायी जाती है। इस बात का खुलासा देश भर से आयी महिला सरपंचों ने गैर सरकारी संस्था प्रिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार 'महिला राजनैतिक सशक्तिकरण नेतृत्व' में कही। इस्लामिक सेंटर में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में 75 से भी अधिक महिला सरपंचों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित हो चुकी हरियाणा के एक गांव की सरपंच रोशनी देवी ने कहा कि जब मैंने शराब सेवन को बंद करवाने के लिए गांव में गश्त लगाना शुरू किया तो पुरुषों ने विरोध करना शुरू कर दिया। काफी कोशिश के बाद मैं अपने मुहिम में सफल हो पायी।